अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस

[स्रोत: पीआईबी](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस (IAD) के साथ पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले समारोह को संबोधित किया।

इसका आयोजन **अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC)** और **संस्कृति मंत्रालय** द्वारा किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **परिचय:** अभिधम्म दिवस भगवान बुद्ध के **तैंतीस दिव्य प्राणियों (तावतिंस-देवलोक)** के दिव्य लोक से संकस्सिया (जिसे आज भारत के उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद ज़िले में स्थित संकिसा बसंतपुर के रूप में जाना जाता है) में अवतरण की याद दिलाता है।
    - इस स्थान का महत्त्व यहाँ स्थित अशोक के हाथी स्तंभ की उपस्थिति से प्रदर्शित होता है।
- **अभिधम्म के पीछे की कहानी:** पाली ग्रंथों के अनुसार, बुद्ध ने अभिधम्म का उपदेश सबसे पहले तावतिंस स्वर्ग के देवताओं को दिया, जिनकी मुखिया उनकी माँ थीं।
    - पुनः पृथ्वी पर लौटकर, उन्होंने यह सन्देश **अपने शिष्य सारिपुत्त** को दिया।
- **घटना का चिह्न:** यह शुभ दिन (प्रथम) वर्षावास के अंत और पवारण उत्सव के साथ मेल खाता है।
    - **वर्षावास (वस्सा)** एक वार्षिक **तीन महीने का मठवासी एकांतवास** है, जो विशेष रूप से **मानसून के मौसम के दौरान** थेरवाद बौद्ध परंपरा में किया जाता है।
    - पवारण **उत्सव वस्सा के समापन का** प्रतीक है, जहाँ भिक्षु एक साथ एकत्र होकर एकांतवास के दौरान की गई **गलतियों या भूलों को स्वीकार** करते हैं तथा अपने साथी भिक्षुओं को आमंत्रित करते हैं कि वे उनकी कमियों को बताएँ।
    - पवारण त्योहार 11 **वें चन्द्र मास की पूर्णिमा** के दिन मनाया जाता है**,** जो आमतौर पर अक्टूबर में होता है।

अभिधम्म पिटक क्या है?

- अभिधम्म पिटक **तीन पिटकों में से अंतिम** है, जो **पाली कैनन/त्रिपिटिक का गठन करता है, जो थेरवाद बौद्ध धर्म** के सबसे लोकप्रिय ग्रंथों में से एक है।
- **अभिधम्म पिटक सुत्तों में बुद्ध की शिक्षाओं का एक विस्तृत विद्वत्तापूर्ण विश्लेषण और सारांश है। यह बौद्ध धर्म के दर्शन, सिद्धांत, मनोविज्ञान, तत्वमीमांसा, नैतिकता और ज्ञानमीमांसा से संबंधित है।**
- **त्रिपिटिक के अन्य शेष पिटक विनय पिटक और सुत्त पिटक हैं।**
    - **विनय पिटक** संघ के भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिये **आचरण के नियम** हैं।
    - सुत्त पिटक **में** बुद्ध और उनके नज़दीकी शिष्यों द्वारा दिये गए **सुत्त (शिक्षाएँ/प्रवचन)** शामिल हैं।
- अभिधम्म पिटक में **सात अलग-अलग पुस्तकें शामिल हैं**।
    - **धम्मसंगणि-** घटनाओं की गणना
    - **विभंग-** संधियों की पुस्तक
    - **धातुकथा-** तत्त्वों के संदर्भ में चर्चा
    - **पुग्गलापनट्टी (Puggalapanatti)-** व्यक्तित्व का विवरण
    - **कथावत्थु-** विवाद के बिंदु
    - **यमाका-** पुस्तकों का युग्म
    - **पथना (Patthana)** -संबंधों की पुस्तक

//

बौद्ध धर्म

Drishti IAS

उत्पत्ति

- छठी शताब्दी ईसा पूर्व, गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर आधारित

मुख्य विशेषताएँ

- सार - आत्मज्ञान की प्राप्ति (निर्वाण)
- सर्वोच्च देवता - कोई नहीं

सिद्धांत

- अति से बचें; मध्यम मार्ग (मध्य मार्ग) का पालन करें
- व्यक्तिवादी घटक (हर कोई अपनी खुशी के लिये स्वयं ज़िम्मेदार है)
- चार महान सत्य:
  - दुख (दुःख)- संसार दुखों से भरा हुआ है
  - समुदय- प्रत्येक दुख का एक कारण है
  - निरोध- दुखों का निवारण किया जा सकता है
  - यह अथांग मग्गा (आष्टांगिक मार्ग) का पालन करके प्राप्त किया जा सकता है।
- आष्टांगिक मार्ग:
  - सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक, सम्यक कर्मांत, सम्यक आजीव, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति, सम्यक समाधि

बौद्ध धर्म अस्वीकार करता है

- वेदों की प्रामाणिकता
- आत्मा की अवधारणा (जैन धर्म के विपरीत)

प्रमुख बौद्ध ग्रंथ

- सुत्त पिटक (बुद्ध की प्रमुख शिक्षाएँ - धम्म)
- विनयपिटक (भिक्षुओं/ननियों के लिये आचरण के नियम)
- अभिधम्म पिटक (दार्शनिक विश्लेषण)
- अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथ- दिव्यवदान, दीपवंश, महावंश, मिलिंद पन्हो

पहली बौद्ध संगीति में बुद्ध की शिक्षाओं को 3 पिटकों में विभाजित किया गया था

इन शिक्षाओं को 25वीं शताब्दी ई.पू में पाली भाषा में लिखा गया था।

बौद्ध परिषद

बौद्ध परिषद	संरक्षक	स्थान	अध्यक्ष	वर्ष
पहली	अजातशत्रु	राजगृह	महाकस्यप	483 ई.पू.
दूसरी	कालाशोक	वैशाली	सुबुकामि	383 ई.पू.
तीसरी	अशोक	पाटलिपुत्र	मोगालिपुत्र	250 ई.पू.
चौथी	कनिष्क	कुण्डलवन (कश्मीर)	वसुमित्र	72 ई.

पाली भाषा से संबंधित प्रमुख तथ्य क्या हैं?

- **पाली भाषा की उत्पत्ति:** पाली **इंडो-यूरोपीय भाषा परिवार से संबंधित है** ।
  - **प्रारंभ में, पाली को मगध** (आधुनिक बिहार) की भाषा, **मागधी के समान** माना जाता था ।
  - हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि **पाली भाषा की पश्चिमी भारत की प्राकृत भाषा** से अधिक समानता रखती है।
- **शास्त्रीय भाषा:** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्राकृत, मराठी, असमिया और बंगाली के साथ **पाली को शास्त्रीय भाषाओं** के रूप में मान्यता देने को स्वीकृति दी है।
- **अशोक से संबंध:** सम्राट अशोक के शिलालेख **पाली भाषा में लिखे गए थे**, विशेषकर आधुनिक **उत्तर प्रदेश में**।
- **बौद्ध धर्म से संबंध: पाली तीन थेरवाद बौद्ध सिद्धांतों** यानी विनय पिटक, सुत्त पिटक और अभिधम्म पिटक की भाषा है।
- **पाली की लिपियाँ:** मूल रूप से इसे **ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपियों में लिखा जाता था**। जैसे-जैसे बौद्ध धर्म का विस्तार हुआ, पाली को स्थानीय

लिपियों में लिखा जाने लगा, जैसे श्रीलंका में **सिंहली ,** म्याँमार में **बर्मी, थाईलैंड में थाई** और कंबोडिया में **खमेर आदि।**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????? ?????????:

प्रश्न.भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2020)

1. परिव्राजक - परित्यागी व भ्रमणकारी
2. श्रमण - उच्च पद प्राप्त पुजारी
3. उपासक - बौद्ध धर्म का साधारण अनुगामी

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं ?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, 'परामिता' शब्द का सही विवरण निम्नलिखित में से कौन-सा है? (2020)

(a)सूत्र पद्धति में लिखे गए प्राचीनतम धर्मशास्त्र पाठ
(b)वेदों के प्राधिकार को अस्वीकार करने वाले दार्शनिक सम्प्रदाय
(c)परिपूर्णताएँ जिनकी प्राप्ति से बोधिसत्व पथ प्रशस्त हुआ
(d)आरम्भिक मध्यकालीन दक्षिण भारत की शक्तिशाली व्यापारी श्रेणियाँ

उत्तर: C

प्रश्न.भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2020)

1. स्थाविरवादी महायान बौद्ध धर्म से संबद्ध हैं।
2. लोकोत्तरवादी संप्रदाय बौद्ध धर्म के महासंघिक संप्रदाय की एक शाखा थी।
3. महासंघिकों द्वारा बुद्ध के देवत्वारोपण ने महायान बौद्ध धर्म को प्रोत्साहित किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-abhidhamma-divas